(Pages : 4) **E – 1014**

Reg. No. : .....

Name : .....

Second Year B.A. Degree Examination, April 2018
Part – III Main
HINDI
Paper – II : Poetry

Time : 3 Hours Max. Marks : 100

I. a) किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(2×5=10 Marks)**

1) नान्हरिया गोपाल लाल, तू बेगि बडौ किन होहिं।
इहिं मुख मधुर बचन हँ सिकै धौं, जननि कहै कब मोहिं।
यह लालसा अधिक मेरे जिय जो जगदीस करा हिं।
मो देखत कान्हर इहि आँगन, पग द्वै धरनि धराहिं।
खेलहिं हलधर संग रंग-रुचि, नैन निरखि सुखपाऊँ।
छिन-छिन छुधित जानि पय कारन, हँसि-हँसि निकट बुलाऊँ।
जाकौ सिव-बिरंचि-सनकादिक मुनिजन ध्यान न पाव
सूरदास जसुमति ता सुत-हित, मन अभिलाष बढाव।।

2) सरजू बर तीरहिं तीर फिरैं रघुबीर सखा अरू बीर सबै।
धनुहीं कर तीर, निषंग कसैं कटि पीत दुकूल नबीन फबै।।
तुलसी तेहि औसर लावनिता दस चारि नौ तीन इकीस सबै।
मति भारति पंगु भई जो निहारि विचारि फिरी उपमा न पबै।।

3) तबहिं बिआध सुआ लै आवा। कचन बरन अनूप सोहावा।।
बेंचै लाग हाट लै ओहीं। मोल रतन मानिक जहँ होहीं।।
सुआ को पूँछ पतिंग मँदारे। चलन देखिआछै मन मारे।।
बाँभन आइ सुआ सौं पूछा। दहुँ गुनवंत कि निरगुन छूँछा।।
कहु परबते जो गुन तोहिं पाहाँ। गुन न छिपाइअ हिरदै माहाँ।।
हम तुम्ह जानि बराभंन दोऊ। जातिहि जाति पूँछ सब कोऊ।।
पंडित हहु तो सुनावहु बेदू। बिन पूँछे पाइअ नहिं भेद्।।
हौं बाँभन औ पंडित कहु आपन गुन सोइ।
पढे के आगे जो पढ़ै दून लाभ तेहि होइ।।

gcwcentrallibrary.in

4) यहु तन जालौं मसि करूं, ज्यूं धूंवा जाइ सरग्गि।
मति वै राम दया करै, बरसि बुझावै अग्गि।।
पूत पियारो पिता कौं, गौंहनि लागा धाइ।
लोभ मिठाई हाथ दै, आपण गया भुलाइ।।

b) किन्हीं **चार** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(4×5=20 Marks)**

1) और यहीं से –
अपराधियों की नाक के ठीक नीचे
कविता पर
बहस शुरू होती है।

2) हो सकता है कि उन कवियों में मेरा सम्मान न हो,
जिन के व्याख्यानों से साम्राज्ञी सहमत है
घूरकर फूदकते हूए संपादक गद्–गद् हैं।

3) शायद कल उनकी समाधियाँ नहीं बनेंगी
जो मरने के पूर्व
कफन और फूलों का
प्रबंध नहीं कर लेंगे।

4) दो हम को फिर झूठे युद्ध
दो हम को फिर झूठे ध्येय
हारेंगे फिर यह है तय
फिर उस को मानेंगे हम प्रभु की हार
अपने को मानेंगे फिर अपराजेय!

5) पी गया हूँ दृश्य वर्षा का:
हर्ष बादल का
हृदय में भरकर हुआ हूँ हवा–सा हलका।
धुन रही थीं सर

ugcwcentrallibrary.in

6) बडे अच्छे मास्टर हो !
आए हो मुझ को भी पढाने !!
मैं भी बच्चा हूँ...
वाह भई, वाह!

7) बरस-बरसकर
धरती रसा बनाकर
अशेष होकर
अपने चरित पूर्ण करते हो
खूब अनुभवी बहूत पुराने होकर भी तुम
बिलकुल मौलिक नए-नए तुम कहलाते हो।

II. किन्हीं **चार** प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए : **(4×5=20 Marks)**

1) मीरा के काव्य में अभिव्यक्त नारी हृदय की निरीह एवं निश्छल भावना पर प्रकाश डालिए।
2) तुलसी की भक्ति भावना की समीक्षा कीजिए।
3) सूर वात्सल्य और शृंगार के कवि हैं। समर्थन कीजिए।
4) जायसी का पद्मावत सर्वश्रेष्ठ रचना है। सिद्ध कीजिए।
5) उलटबासियाँ क्या हैं ? कबीर की उलटबासियों पर टिप्पणी लिखिए।
6) सूरदास की बाल लीला पर टिप्पणी लिखिए।
7) कबीर समन्वयवादी कवि थे। इस कथन की आलोचना कीजिए।

III. किसी **एक** कविता का आस्वादनपरक विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए : **(1×15=15 Marks)**

1) ओ मेघ।
2) पराजित पीढी का गीत।

IV. किन्हीं **चार** प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए : **(4×5=20 Marks)**

1) 'सौन्दर्य बोध' कविता में चित्रित कृत्रिम जीवन पर प्रकाश डालें।
2) 'स्वाधीन व्यक्ति' कविता में अभिव्यक्त कवि के विचारों का निरूपण कीजिए।
3) 'प्रेत का बयान' कविता में चित्रित शासन की निर्मम लापरवाही की आलोचना कीजिए।

gcwcentrallibrary.in

4) 'कलगी बाजरे की' कविता की विशेषताएँ क्या-क्या हैं ?

5) 'सत्य के गरबीले अन्याय न सह' कविता की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

6) 'मुनासिब कार्‌वाई' कविता में शासक-शोषक अपराधियों का बेनकाब किया है। एक टिप्पणी लिखिए।

7) 'यह दीप अकेला' कविता का आशय व्यक्त कीजिए।

V. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए : **(3×5=15 Marks)**

1) 'कालिदास से' कविता में कवि का आत्म प्रकाशन।

2) 'मुनासिब कार्‌वाई' कविता में अभिव्यक्त कविता की क्रांतिकारी भूमिका।

3) 'सागर तट' कविता का कथ्य।

4) 'फूल, मोमबत्तियाँ, सपने' कविता में अंकित विराट जीवन।

5) धूमिल की काव्य भाषा।

gcwcentrallibrary.in